

BSE

Established in 1875 as the "The Native Share & Stock Brokers' Association", BSE Ltd. (formerly Bombay Stock Exchange) is popularly known as the "Share Bazaar". As Asia's first stock exchange, BSE has been a pioneer in promoting equity investment among Indians and boasts of several highs that dot its 139-year old history.

BSE has been a catalyst, facilitator, an observer and a constant in the development of the capital market of India both pre-Independence and post-Independence. It has helped in asset formation across sectors, thereby laying a foundation for wealth generation on a sustained basis. Today, three centuries later we see a tall, iconic building at Dalal Street housing one of India's best known landmarks – BSE. The story of BSE is the story of the Indian economy.

As India's leading stock exchange, BSE is an iconic institution and symbolic of India's economic prowess and resilience as it continues to be a port-of-call for several high-level dignitaries, both national as well as international, from a multitude of fields.

BSE acts as a gateway to the dynamic Indian capital markets. It is the premier Stock Exchange of India with listed market capitalization in excess of US \$1 trillion.

BSE is ranked as the largest Exchange in the world in terms of listed companies. It has further extended its lead as the world's top exchange in terms of the number of listed companies, outpacing the major global peers like NYSE, Nasdaq and London Stock Exchange.

Earlier it had a trading floor with large number of floor brokers trading with hand signals. However, given the IT prowess of India, BSE became completely automated in 1995. It was one of the early pioneers of automated screen based trading. It also became a role model for many member owned exchanges to become automated.

Today, BSE is known for its highly developed and one of the fastest electronic systems for order entry, trading, clearing and settlement, depository services etc. BSE continually seeks to improve its core IT capabilities, the reliability and consistency of which help to maintain its position.

BSE provides investment opportunities to Indian and foreign investors in the entire gamut of financial instruments including large cap equity, SME equity, corporate debt, government debt, Indian depository receipts hybrid, equity future, equity options, stock index futures, stock index

options, interest rate futures, currency futures, currency options, mutual funds, IPOs etc.

BSE has set up a 50: 50 Joint Venture with Standard and Poors (S&P) to manage Indices jointly. The benchmark S&P BSE Sensex index is the most followed Indian Index in the world. In addition, other indices such as S&P BSE 100, S&P BSE 500 etc are closely monitored by Indian and foreign investors keen on investing in emerging economies. S&P BSE Sensex was first compiled on January 2, 1986 comprising of top 30 stocks in the country.

The S&P BSE Sensex is often referred to as the barometer of Indian economy. Amongst many recent initiatives, BSE successfully launched the S&P BSE IPO index, S&P BSE Carbonex, S&P BSE Greenex and PSU website. The strategic partnership with S&P Dow Jones Indices allows BSE to leverage the global marketing strength of the global leader in indices. With BSE's strong knowledge of the Indian market and investor interests, the new partnership is able to provide Indian and International investors with the index solutions they need, to take well-informed investment decisions. It will also help in increasing international interest and participation in Indian capital markets.

India has the capability to become world's fastest growing economy and for the same it is imperative that around 15 million jobs are created every year for the next 20 years. The Indian society is young with more than 50 percent of population under the age of 25. A healthy saving rate of around 30 percent creates a need for finding efficient way of channelizing these savings, either through equity, debt or any hybrid instruments or through mutual funds. Thus the stock exchanges play an important role in creating a platform for investors to invest in the Indian growth story and get benefited too.

With a new tagline – Experience the new – BSE is well poised to explore newer frontiers of the financial markets in terms of technology, products and distribution.

On completion of 140th year of BSE, the Department of Posts is happy to release a commemorative postage stamp on BSE.

Credits:-

Text : Based on the material received from proponent
Stamp/FDC/ : Smt. Nenu Gupta
Cancellation Cachet

भारतीय डाक विभाग DEPARTMENT OF POSTS INDIA



बीएसई 3SE

विवरणिका BROCHURE

बीएसई

बीएसई लिमिटेड (पूर्व में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज), जिसकी स्थापना वर्ष 1875 में 'द नेटिव शेअर एंड स्टॉक ब्रोकर्स एसोसिएशन' के रूप में की गई थी, 'शेयर बाजार' के नाम से लोकप्रिय है। एशिया के पहले स्टॉक एक्सचेंज के रूप में, बीएसई भारतीयों में इक्विटी निवेश बढ़ाने में एक प्रवर्तक रहा है और अपने 139 वर्ष पुराने इतिहास में इसे कई उपलब्धियां हासिल करने का गौरव प्राप्त है।

बीएसई स्वतंत्रता-पूर्व और स्वतंत्रता-प्राप्ति के पश्चात् दोनों ही समय में भारत के पूंजी बाजार का विकास करने में एक उत्प्रेरक, मददकर्ता, प्रेक्षक और अचल संस्थान रहा है। इसने समग्र क्षेत्रों में परिसंपत्ति निर्माण में सहायता की है और इस प्रकार नियमित आधार पर धन अर्जित करने के लिए आधारशिला रखी है। तीन शताब्दी पश्चात् आज दलाल स्ट्रीट पर हम एक विशाल प्रतिष्ठित भवन को देखते हैं जिसमें भारत का चिर-परिचित लैंडमार्क-बीएसई स्थित है। बीएसई की गाथा भारतीय अर्थशास्त्र की गाथा है।

भारत के अग्रणी स्टॉक एक्सचेंज के रूप में, बीएसई एक प्रतिष्ठित संस्था है और भारत के आर्थिक कौशल और लचीलेपन का प्रतीक है क्योंकि अनेक क्षेत्रों से, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उच्च स्तर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के लिए पोर्ट-ऑफ-कॉल रहा है।

बीएसई भारतीय पूंजी बाजार में प्रवेश-द्वार के रूप में कार्य करता है। यह 1 ट्रिलियन यू एस डॉलर से अधिक पूंजी के साथ, सूचीबद्ध पूंजी बाजार का एक प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज है।

सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बीएसई विश्व का विशालतम एक्सचेंज है। सूचीबद्ध कंपनियों की संख्या के संबंध में विश्व के विशाल एक्सचेंज के रूप में इसने अपनी अग्रणी स्थिति को और आगे बढ़ाया है और एनवाईएसई, नासदक और लंदन स्टॉक एक्सचेंज जैसे प्रमुख विश्व स्तरीय समकक्ष एक्सचेंजों को पीछे छोड़ दिया है।

पहले समय में इसका एक ट्रेडिंग फ्लोर था जिसमें बड़ी संख्या में फ्लोर ब्रोकर्स हस्त संकेतकों की मदद से व्यापार करते थे। तथापि, भारत की आईटी कुशलता के परिणामस्वरूप 1995 में बीएसई पूरी तरह से स्वचालित बन गया। यह स्वचालित स्क्रीन आधारित ट्रेडिंग में प्रारंभिक प्रवर्तकों में से एक था। अनेक सदस्यों द्वारा प्रचालित एक्सचेंजों को स्वचालित बनाने के लिए यह एक प्रेरणा स्रोत भी बना।

आज, बीएसई अपनी उच्च विकसित और ऑर्डर प्रविष्टि, ट्रेडिंग, समाशोधन और निपटान, जमा करने वाली सेवाओं आदि के लिए सबसे तेज इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों में से एक के रूप में जाना जाता है। बीएसई अपनी कोर आईटी क्षमताओं में निरंतर सुधार करता है, जिसकी विश्वसनीयता और अनुकूलता उसकी स्थिति बनाए रखने में सहायता करती है।

बीएसई बड़ी कंप इक्विटी, एसएमई इक्विटी, कारपोरेट ऋण, सरकारी ऋण, भारतीय जमा प्राप्ति हाइब्रिड, इक्विटी फ्यूचर इक्विटी विकल्प, स्टॉक सूचकांक फ्यूचर्स, स्टॉक सूचकांक विकल्प, ब्याज दर फ्यूचर्स, करेंसी फ्यूचर्स,

करेंसी विकल्प, म्युचुअल फंड, आईपीओ आदि जैसे वित्तीय साधनों के संपूर्ण क्षेत्र में भारतीय और विदेशी निवेशकों को निवेश के अवसर उपलब्ध कराता है।

संयुक्त रूप से सूचकांकों का प्रबंध करने के लिए बीएसई ने स्टैंडर्ड और पुअर्स (एस एंड पी) वाले 50:50 संयुक्त उद्यम की स्थापना की है। बैंचमार्क एस एण्ड पी बीएसई सेंसेक्स सूचकांक विश्व में सर्वाधिक अनुसरण किया जाने वाला भारतीय सूचकांक है। इसके अलावा, उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करने के इच्छुक भारतीय और विदेशी निवेशकों द्वारा एसएण्डपी बीएसई 100, एस एण्ड पी बीएसई 500 आदि जैसे अन्य सूचकांकों की गहराई से मॉनीटरिंग की जाती है। एसएण्डपी बीएसई सेंसेक्स को जनवरी 2, 1986 में सर्वप्रथम संकलित किया गया जिसमें देश के 30 शीर्षस्थ स्टॉक शामिल थे।

एसएण्डपी बीएसई सेंसेक्स को प्रायः भारतीय अर्थव्यवस्था के बैरोमीटर के रूप में देखा जाता है। हाल ही में की गई अनेक पहलों में से, बीएसई ने एसएण्डपी बीएसई आईपीओ सूचकांक, एसएण्डपी बीएसई कारबोनेक्स, एसएण्डपी बीएसई ग्रीनेक्स और पीएसयू वेबसाइट की सफलतापूर्वक शुरुआत की है। एसएण्डपी डो जोन्स सूचकांकों के साथ महत्वपूर्ण भागीदारी के कारण बीएसई सूचकांकों के वैश्विक लीडर की वैश्विक विपणन शक्ति का लाभ उठा पा रहा है। बीएसई की, भारतीय बाजार और निवेशक की अभिरुचि की अच्छी जानकारी के कारण यह नई भागीदारी भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों को सूचकांकों संबंधी अपेक्षित समाधान उपलब्ध कराती है ताकि वे निवेश संबंधी समुचित निर्णय ले सकें। इससे भारतीय पूंजी बाजारों में अंतर्राष्ट्रीय अभिरुचि और भागीदारी बढ़ाने में सहायता भी मिलेगी।

भारत के पास विश्व की तेजी से विकसित होती हुई अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता है और इसके लिए यह अनिवार्य है कि आगामी 20 वर्षों के लिए प्रतिवर्ष लगभग 15 मिलियन नौकरियां सृजित की जाएं। भारतीय समाज युवा है, जिसके अंतर्गत 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या की आयु 25 वर्ष से कम है। लगभग 30 प्रतिशत की बचत दर को इक्विटी, ऋण अथवा किसी भी हाईब्रिड साधन अथवा म्युचुअल फंड के माध्यम से कुशल तरीके से निवेश करने की आवश्यकता है। इस प्रकार भारत के विकास की गाथा में निवेश करने और इससे लाभ उठाने के लिए निवेशकों के लिए एक मंच का निर्माण करने में स्टॉक एक्सचेंज एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक नया अनुभव..... इस नई टैगलाइन के साथ बीएसई प्रौद्योगिकी, उत्पादों और वितरण के संदर्भ में वित्तीय बाजारों की नई संभावनाओं का पता लगाने की दिशा में अग्रसर है।

बीएसई के 140 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, डाक विभाग बीएसई पर एक स्मारक डाक-टिकट जारी करके प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :-

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित
डाक-टिकट : श्रीमति नीनू गुप्ता
प्रथम दिवस आवरण/
विरूपण



तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसा
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	:	4.55 लाख
Stamps Printed	:	0.455 Million
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.